ये ताजुश्शरिया की आंधी है.. सारी मुश्किलें उड़ा ले जाएगी

उर्स-ए-ताजुश्शरिया

असजद मियां की तकरीर में छलका उर्स की अनुमति रद्द करने का दर्द, बोले- अमन के लिए फसादियों को अनदेखा किया

अमर उजाला ब्यूरो

बरेली। उर्स-ए-ताजुश्शरिया अमन का पैगाम देकर संपन्न हो गया। हालांकि कुल के मौके पर मंच से की गई तकरीरों में इस्लामिया ग्राउंड में उर्स की अनुमति रद्द किए जाने का दर्द भी छलका। दरगाह ताजुश्शरिया के सज्जादानशीन और काजी उल कुज्जात मुफ्ती असजद रजा खां कादरी असजद मियां ने मंच से खुलकर चेतावनी दी कि अमन का पैगाम देने वालों को न छेड़ा जाए। न यह समझा जाए कि उन्होंने उर्स की जगह को फसादियों के दबाव में बदला है। वे अमन का पैगाम देने वाले सूफी हैं, इसीलिए शहर के अमन के लिए इस्लामिया ग्राउंड के बजाय मथुरापुर में उर्स मना रहे हैं।

असजद मियां ने कहा कि ताजुश्शरिया के उर्स को नई परंपरा बताकर रोकने की कोशिश की गई, लेकिन इसे कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि यह आरएसएस के लोग नहीं बताएंगे कि उर्स होगा या नहीं और होगा तो कहां होगा। हम जहां चाहेंगे उर्स मनाएंगे। उन्होंने कहा, हम अमन वाले हैं लेकिन डरते नहीं हैं। फिलहाल शेरों ने जो कदम हटाया है, वह सिर्फ अमन के लिए हटाया है। उन्होंने उर्स का विरोध करने वालों को चेतावनी देते हुए कहा कि वे चार लोग कान खोल कर सुन ले जिन्होंने इस मुद्दे को भड़काया। उन्होंने सोचा कि ताजुश्शरिया का उर्स नहीं मना पाएंगे। उन्होंने नहीं सोचा कि किससे दुश्मनी ली है। ताजुश्शरिया वली हैं और अल्लाह ने फरमाया है जिसने वली से दुश्मनी ली उससे अल्लाह का एलाने जंग है और जिससे अल्लाह का एलाने जंग हो, उसे कोई नहीं बचा सकता। जिन लोगों को गाली देकर चंद वोट मिल जाते हैं, वह उन्हें अकेला न समझें। उनके साथ वली अल्लाह की जमात है। भीड़ की तरफ इशारा करते हुए कहा कि ये ताजुश्शरिया की आंधी है। ताजुश्शरिया से मोहब्बत करने वालों की भीड़ है।

इस्लामिक सेंटर

इस्लामिया ग्राउंड से उर्स की परमिशन रद्द करना अफसोसनाक

उर्स की अनुमति निरस्त होने पर दूसरे उलमा ने भी सवाल उठाए। रुदौली शरीफ से आए मुफ्ती अब्दुल मुस्तफा रुदौलवी ने कहा कि बरेली शरीफ के हिंदुओं की पूरी दुनिया में इज्जत है। आला हजरत के उर्स में हिंदू जायरीन को अपने घरों में ठहराते हैं, उनकी मेहमान नवाजी करते हैं। यहां के लोग अमन पसंद है और एकता में यकीन रखते हैं। चंद मुट्ठी भर लोगों के कहने पर प्रशासन का इस्लामिया ग्राउंड पर उर्स की परमिशन रद्द करना अफसोस की बात है। उन्होंने देश के हालात और मुस्लिम मसायल पर भी चर्चा की। कहा, मुसलमानों से कहा जाता है पाकिस्तान चले जाओ। यह हमारा भी मुल्क है। आजादी जंग में हमने भी लड़ी है। हम हिंदुस्तान को अपना घर मानते हैं, क्या कोई अपने घर में आग लगा सकता है। हम आला हजरत और ताजुश्शरिया के मानने वाले अमन पसंद हैं। मुल्क से मोहब्बत करते हैं। तकरीर में झारखंड के तबरेज अंसारी का नाम लेते हुए मॉबलिंचिंग का भी जिक्र किया। ब्यूरो

हाईवे पर जायरीनों की भीड़

अलर्ट रही पुलिस

दरगाह पर भी हुआ ताजुश्शरिया का उर्स

बरेली। ताजुश्शरिया का उर्स दरगाह आला हजरत पर भी मनाया गया। यहां शाम को रजा मस्जिद में दरगाह प्रमुख मौलाना सुब्हान रजा खां कादरी (सुब्हानी मियां) की सरपरस्ती और सज्जादानशीन मुफ्त अहसन रजा खां कादरी की सदारत में ताजुश्शरिया हजरत अजहरी मियां के कुल की रस्म अदा की गई। इसमें मुफ्ती सलीम नूरी ने ताजुश्शरिया की जिंदगी पर रोशनी डाली। इससे पहले दरगाह शरीफ पर सुबह कुरान ख्वानी हुई और नातो मनकबत पेश की गई। कुल के बाद सुब्हानी मियां ने जायरीन के बीच मजार की 30 हजार चादरों को बतौर तबर्रुक बांटा। इसके अलावा जायरीन के लिए सुब्हानी मियां की ओर से दो दिन लंगर का भी आयोजन किया गया।

नूरी मेहमानखाने में भी उर्स

बरेली। दरगाह आला हजरत स्थित नूरी मेहमानखाने में भी ताजुश्शरिया का उर्स मनाया गया। इसमें मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने हजरत ताजुश्शरिया की शख्सियत पर रोशनी डाली गई। मौलाना सईद नूरी ने ताजुश्शरिया के कारनामों और दीनी खिदमात का जिक्र किया। कारी अब्दुर्रहमान जियायी ने ताजुश्शरिया की किताबों पर चर्चा की और मुफ्ती इंसाफ रजा नूरी ने उनकी नातिया शायरी और दीवान सफीनाए बख्शिस का जिक्र किया। इस दौरान मौलाना अब्बास रजवी, हाफिज मुजाहिद हुसैन, नूरी मियां ने कलाम पेश किया। आखिर में कुल शरीफ की रस्म अदा की गई।

निशुल्क मेडिकल कैंप

बरेली। चिकित्सक डा. अनीस बेग की ओर से उर्स ताजुश्शरिया के मौके पर जामियतुर्रजा में निशुल्क मेडिकल कैंप लगाया गया। दो दिनों तक चले इस कैंप में हजारों मरीजों को मेडिकल सुविधा दी गई। इसमें राशिद, डा. अजीज, डा. अशरफ, डा. जाकिर, डा. आलम, डा. रेहान और डा. गोपाल आदि ने अपनी सेवाएं दीं।

उर्स में इनका रहा सहयोग

उर्स संपन्न कराने में उर्स कोर कमेटी का बड़ा योगदान रहा। इस कमेटी में समरान खान, शमीम खां सुल्तानी, डा. मेंहदी हसन, शमीम अहमद, हाफिज इकराम, मोइन खां, अब्दुल्ला, बख्तियार रजा, दानिश रजा, नबी रजा, रेहान अजहरी, वसीम, शइबुद्दीन, नवेद अहसद, मोहम्मद रजा आदि का सहयोग रहा।

उर्स की तैयारियों का लिया जायजा

बरेली। ताजुश्शरिया के उर्स पर रेलवे की तैयारियों का जायजा लेने पहुंचीं मुरादाबाद डिवीजन की सीनियर डीसीएम रेखा वर्मा दोपहर में अचानक जंक्शन पहुंच गईं। सबसे पहले वह बुकिंग आफिस पहुंचीं, जहां सभी विंडो पर टिकट बांटे जा रहे थे। हालांकि उस वक्त जायरीन अधिक नहीं थे। इसके बाद वह रिजर्वेशन आफिस भी गईं। उन्होंने जंक्शन पर सफाई व्यवस्था, पार्सल का रखरखाव देखा। ब्यूरो

उर्स-ए-ताजुश्शरिया में मोहब्बत का नजराना

बरेली। अकीदत भरे माहौल में संपन्न हुए दो रोजा उर्स-ए-ताजुश्शरिया में देश-विदेश से आए तमाम जायरीन ने शिरकत कर मोहब्बत का नजराना पेश किया।

दस्तूर के मुताबिक उर्स की तकरीब दूसरे रोज भी सुबह कुरान ख्वानी से शुरू हुई। नातो मनकबद की महफिल के बाद दरगाह शरीफ पर जायरीन पहुंचने शुरू हो गए। बीच-बीच में चादरों के जुलूस भी आते रहे। दोपहर बाद जायरीन की भीड़ मथुरापुर रवाना होने लगी और दोपहर बाद तक वहां जायरीन का भारी मजमा इकट्ठा हो गया। मथुरापुर के जामियतुर्रजा इस्लामिक स्टडी सेंटर पर मोहद्दिसे कबीर मुफ्ती जियाउल मुस्तफा की सरपरस्ती और जानशीन ताजुश्शरिया एवं काजी उल कुज्जात मुफ्ती असजद रजा खां कादरी की सदारत में उर्स का जलसा मनाया गया। जलसे में उलमा की तकरीर के बाद ताजुश्शरिया के कुल शरीफ की रस्म अदा की गई। इसमें असजद मियां ने मुल्क और अवाम की सलामती और खैर के लिए दुआएं की गईं।

इस मौके पर मुफ्ती अफजाल कासिमी (लंदन), अल्लामा सैयद गयासे मिल्लत (कालपी शरीफ), मौलाना जाहिद (इंग्लैंड), मौलाना बशीर (इंग्लैंड), मुफ्ती जाकिर खैरासी आदि ने तकरीर की। निजामत मुफ्ती गुलजार की रही। यह आयोजन जमात रजा मुस्तफा के उपाध्यक्ष सलमान हसन खान की निगरानी में पूरा हुआ। कुल के बाद दरगाह शरीफ पर हाजिरी देते हुए जायरीन घर लौटने लगे। इस मौके पर खानदान के भी तमाम लोग मौजूद रहे। इसमें अमीने शरीयत मौलाना सलमान रजा खां, मौलाना हस्सान रजा खां, सूफी रिजवान रजा खां, मौलाना अदनान रजा कादरी, अब्दुल्ला रजा कादरी, फैज रजा खां आदि शामिल रहे। ब्यूरो

शहर के काफी लोग नहीं पहुंचे सके मथुरापुर

ताजुश्शरिया के उर्स में शहर के तमाम लोग मथुरापुर नहीं पहुंच सके। एक तो दूरी वजह रही, दूसरे वाहनों से निकले तमाम लोग रूट डायवर्जन के कारण बैरियर से ही लौट गए क्योंकि इसके आगे काफी पैदल भी चलना था। इन लोगों ने दरगाह पर हुए कुल में शिरकत की।

जायरीन के लिए लगाई बसें

जायरीन को मथुरापुर तक लाने और ले जाने के लिए उर्स कमेटी की ओर से 40 बसों का इंतजाम किया गया था, जो निशुल्क सेवा दे रही थीं।

मथुरापुर इस्लामिक सेंटर के बाहर दुआ करते जायरीन। अमर उजाला

उर्स संपन्न होन के बाद घर लौटने के लिए रेलवे स्टेशन पहुंचे जायरीन। अमर उजाला

मजार शरीफ पर चादरों का रेला

बरेली। दरगाह शरीफ पर सुबह से ही भारी चहलपहल रही। अकीदतमंदों के हाजिरी देने के साथ चादरपोशी और गुलपोशी का सिलसिला लगातार जारी रहा। इस बीच शहर के विभिन्न इलाकों से चादरों के जुलूस भी पहुंचते रहे।

महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौधरी असलम मियां के साथ पहुंचे प्रांतीय महामंत्री अजय शुक्ला, अनीस सकलैनी, अवनीश बख्शी टोनू, मोहम्मद हसन, हाजी नजमुल इस्लाम, राजेंद्र सागर आदि ने ताजुश्शरिया की दरगाह पर चादर पेश कर मुल्क की एकता और भाईचारे के लिए दुआ मांगी। हज सेवा समिति के अध्यक्ष पूर्व मंत्री अताउर्रहमान ने भी सपा नेताओं के साथ हाजिरी देकर चादर पेश की। उन्होंने मुफ्ती असजद मियां से भी मुलाकात की। बिहार कलां के मुरीद भी चादरों का जुलूस लेकर दरगाह पहुंचे। इसकी सदारत आरएससी के उपाध्यक्ष मौलाना अदनान रजा कादरी ने की। जुलूस को हाफिज इमरान ने रवाना किया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की ओर से अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सचिव कौसर खां वारसी, जन मानव सेवा समिति की ओर से अध्यक्ष मोहम्मद रजा कैफी और नेशनल फोरस की ओर से सचिव डॉ. मोईन अंजुम ने अजहरी मियां की मजार पर चादरें पेश कर दुआएं मांगीं। ब्यूरो

जोश-ए-अकीदत

टेंशन में गुजरा अफसरों का दिन, भीड़ छंटने पर मिली राहत

बरेली। ताजुश्शरिया अजहरी मियां के उर्स में जुटी भीड़ को लेकर प्रशासन और पुलिस के आला अधिकारी बुधवार को दिनभर टेंशन में रहे। एडीजी और डीआईजी भी जिला पुलिस और खुफिया विभाग से रिपोर्ट लेते रहे। डीएम वीरेंद्र कुमार और एसएसपी मुनिराज सिंह ने उर्स स्थल पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। ताजुश्शरिया मुफ्ती अख्तर रजा खां कादरी अजहरी मियां के उर्स का कार्यक्रम स्थल बदलने के बाद से माहौल गर्म था। अफसरों से लेकर शहरवासी तक किसी अनहोनी को लेकर आशंकित थे। इसके मद्देनजर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए थे। शहर के बिहारीपुर मोहल्ला से लेकर मथुरापुर तक हर प्वाइंट पर पुलिस और पीएसी के जवान तैनात रहे। तीनों जोन के प्रभारी अपने इलाके में भ्रमण करते रहे। खुफिया विभाग के कर्मचारी भी सक्रिय थे, जो गोपनीय जानकारी शासन और प्रशासन को दे रहे थे। ब्यूरो

हाईवे पर जायरीनों की भीड़ में फंसी एंबुलेंस। अमर उजाला

भीड़ के आगे ट्रैफिक सिस्टम फेल, हाईवे पांच घंटे जाम

अमर उजाला ब्यूरो

बरेली। उर्स में जुटी जायरीनों की भीड़ के आगे सारी ट्रैफिक व्यवस्था ध्वस्त हो गई। हाईवे पर शाम को करीब पांच घंटे तक जाम की स्थिति बनी रही। भीड़ के बीच जाम में कई एंबुलेंस फंसी रहीं, जिनमें मौजूद मरीज परेशान रहे। भीड़ के आगे ट्रैफिक इंतजाम नाकाफी साबित हुए।

ताजुश्शरिया अजहरी मियां के उर्स में जुटने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कड़े इंतजाम करने का दावा किया गया था। कई जगह बैरियर लगाने के लिए ट्रैफिक डायवर्जन किया गया था। कई जिलों से ट्रैफिक पुलिस वाले बुलाए गए थे। उर्स के दौरान एंबुलेंस समेत सभी इमरजेंसी सेवाओं पर कोई प्रभाव न पड़ने का दावा किया था। बुधवार दोपहर बाद तक यातायात लगभग सामान्य रहा। मिनी बाईपास तिराहा से टेंपो, ई रिक्शा व चार पहिया वाहन रोक दिए गए थे, लेकिन दोपहिया वाहन सीबीगंज की ओर जाते रहे।

शाम चार बजे के बाद जायरीनों की संख्या बढ़ी शुरू हुई। करीब पांच बजे किला से लेकर परसाखेड़ा तक हाईवे पर जाम की स्थिति बन गई। इस दौरान एक 108 एंबुलेंस मिनी बाईपास व सीबीगंज के बीच और दो एंबुलेंस परसाखेड़ा में मदरसा के पास जाम में फंस गईं, जिन्हें निकलवाने को कोई पुलिस कर्मी तक नहीं पहुंचा। शाम करीब साढ़े छह बजे कुल के बाद हाईवे लगभग जाम हो गया। शहर की ओर पैदल आने जाने वाले भी रेंगकर चल रहे थे। हाईवे पर यह स्थिति रात करीब नौ बजे तक रही। भीड़ के आगे ट्रैफिक पुलिस कहीं नजर नहीं आ रही थी।

हाईवे पर भीड़ में घुसी जायरीनों की बस

शाम करीब सात बजे जायरीनों से भरी एक बस सीबीगंज और किला के बीच कैंफर स्टेट कॉलोनी के सामने भीड़ के बीच घुस गई। इससे हाईवे पूरी तरह जाम हो गया। पैदल चल रहे कुछ जायरीनों ने कड़ी मशक्कत के बाद बस को किनारे कराया। इस कारण वहां करीब आधा घंटे तक जाम लगा रहा।

शरारती युवकों ने की माहौल बिगाड़ने की कोशिश

रात करीब नौ बजे उर्स स्थल से जायरीन अपने घरों को लौट रहे थे। मदरसा से कुछ दूर जौहरपुर की तरफ भीड़ के बीच चल रहे कुछ युवकों ने आरएसएस के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। इसका विरोध होता इससे पहले मौके पर मौजूद दूसरे जायरीनों ने शरारती युवकों को डांटकर शांत कर दिया। इससे माहौल बिगड़ने से बच गया।